महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री

छात्राएं सावित्रीबाई फुले के कार्य से प्रेरित हों -कुलपति विभूति नारायण राय

हिंदी विवि के सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास में मनायी जयंती

छात्राओं को पुरस्कृत करते कुलपति विभूति नारायण राय तथा कुलसचिव डॉ. के.जी. खामरे

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सवित्रीबाई फुले की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कुलपति विभूति नारायण राय ने छात्राओं से आहवान किया कि छात्राएं सावित्रीबाई फुले के शैक्षणिक एवं सामाजिक कार्य से प्रेरित होकर कार्य करें। सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास में आयोजित समारोह में कुलसचिव डॉ. के. जी. खामरे तथा छात्रावास अधीक्षक डॉ. प्रीति सागर प्रमुखता से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर कुलपति राय ने छात्राओं को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि शिक्षा का अधिकार सबको मिले इसके लिए सावित्रीबाई फुले ने संघर्ष किया। उस समय महिलाओं को पढ़ाने के लिए सावित्रीबाई जब घर से बाहर निकलती थी तो लोग उनपर गोबर और पत्थर फेकतें थे और गालियाँ भी देते थे। फिर भी उन्होंने शिक्षा के प्रति अपना संघर्ष जारी रखा। सावित्रीबाई फुले को भारत की पहली महिला शिक्षिका कहा जाता है और उन्हीं की दी हुई शिक्षा से वर्तमान में महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रसर हुई हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में परिवर्तन लाने और

महिलाओं को शिक्षित करने का श्रेय महात्मा जोतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले को जाता है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे ने अपने उदबोधन में कहा कि महिलओं ने सही कार्य का चुनाव कर अपना कार्य जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले जैसा संघर्ष कर महिलाओं को आगे बढ़ना चाहिए।

इस अवसर पर छात्रावास में तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इसमें सामान्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 'राणी लक्षीबाई संघ' ने प्राप्त किया है। इसमें भारती, श्वेता, अंशू, सविता कोल्हे, ज्योती राय आदि छात्राओं ने सहभागिता की। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्रीति लोखंडे, द्वितीय पुरस्कार नुरीश, तृतीय पुरस्कार विद्या चंदनखेडे ने प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विद्या चंदनखेडे, द्वितीय पुरस्कार ज्योति देवी, तृतीय पुरस्कार मीना तेलगोडे ने प्राप्त किया। कुलपति राय ने प्रतिभागियों को सावित्रीबाई फुले का प्रतिकचिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान छात्रावास अधिक्षक प्रीति द्वारा अतिथियों को सावित्रीबाई फुले का प्रतिक चिन्ह देकर सम्मानीत किया। कार्यक्रम का संचालन चित्रलेखा अंशू ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अर्चना त्रिपाठी ने किया। समारोह में अवंतिका शुक्ल, चित्रा माली, कौर आदि उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे, जनसंपर्क अधिकारी